nt>

12.09 hrs.

MR. SPEAKER: Now, we shall take up 'Zero Hour'. Shri Ramji Lal Suman.

Title: Reported statement by Prime Minister on the construction of temple at Ayodhya.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश विधान सभा के चुनाव हो रहे हैं। कल हिमाचल प्रदेश में भारत के प्रधान मंत्री, श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की सभायें थी। आज हिन्दुस्तान के सभी प्रमुख समाचार पत्रों में छपा है - "वाजपेयी जी ने मन्दिर निर्माण की जमकर वकालत की" और " हिमाचल में अटल ने खेला हिन्दू कार्ड " ।

अध्यक्ष महोदय, यह बहुत गम्भीर मामला है। ऐसा कह कर यह देश में दंगे कराना चाहते हैं। â€¦ (व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : मंदिर वहां नहीं बनेगा तो कहां बनेगा? â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, इनके पास कोई काम नहीं है। देश में गरीबी और बेरोजगारी जैसे गम्भीर मामलों की तरफ इनका कोई ध्यान नहीं है। यह केवल हिन्दू कार्ड ही खेलना चाहते हैं। â€¦ (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आप पहले इन्हें बैठने के लिए कहिए। मुझे इस मामले में आपका संरक्षण चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः आप सब बैठिए।

श्री रामजीलाल सुमन : मुझे पहले अपनी बात कहने दीजिए। इसके बाद आप अपनी बात कह सकते हैं। â€¦ (व्यवधान) क्या आप हमें बोलने नहीं देंगे? â€¦ (व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ : यदि आप इस पर चर्चा कराना चाहते हैं तो करा लीजिए। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः कृपया आप सब बैठिए। अयोध्या के बारे में सदन में चर्चा होने वाली है। आप उस समय बहस में हिस्सा ले सकते हैं। प्रधान मंत्री जी का इस विाय में एक निवेदन है और उसी विाय पर इनके पास एक प्वाइंट है। उन्होंने मुझे इस बारे में नोटिस दिया है और मैंने उनको बोलने की इजाजत दी। उन्हें वह प्वाइंट रखने दिया जाए। यदि आपका उस प्वाइंट पर कोई विरोध है तो विरोध कर सकते हैं। प्लीज बैठिए।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः इनका जो मुद्दा है, उन्हें उसे रखने का पूरा अधिकार है। वह मुद्दा रखेंगे और सरकार की तरफ से उत्तर आएगा। आप क्यों फिक्र कर रहे हैं?

â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, यह जानबूझ कर व्यवधान पैदा कर रहे हैं। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः रामदास जी, इन्हें बोलने दीजिए।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, आज 21 तारीख को अयोध्या विवाद हेतु सुप्रीम कोर्ट में तारीख लगी है और उससे पहले हिमाचल प्रदेश की चुनाव सभाओं में प्रधान मंत्री जी द्वारा इस प्रकार का वक्तव्य देना कि " हिमाचल में अटल ने हिन्दू कार्ड खेला, वाजपेयी ने की मंदिर निर्माण की जम कर वकालत" और प्रधान मंत्री ने कहा "ऐसे ऐतिहासिक और पौराणिक दस्तावेज हमारे पास हैं जिन से साबित हो जाएगा कि अयोध्या में विवादास्पद स्थान पर पहले कभी मंदिर था। "â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः आप अपनी बात पूरी करिए। आपका स्टेटमैंट रिकॉर्ड में जा रहा है। आप बोलिए।

श्री शिवराज सिंह चौहान (विदिशा) : अध्यक्ष महोदय, यह प्रधान मंत्री जी के बयान को तोड़ मरोड़ कर पेश कर रहे हैं। â€¦ (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Sir, you have permitted him to speak....(*Interruptions*)

योगी आदित्यनाथ : राम जन्म भूमि के मुद्दे पर प्रधान मंत्री बयान नहीं देंगे तो कौन देगा? â€¦ (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Mr. Speaker, Sir, you have permitted a Member to speak on a subject. You have been kind enough to give him the permission....(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदयः प्लीज सुनिए। सोमनाथ चटर्जी जैसे सीनियर मैम्बर खड़े हैं। आप उनकी बात सुनिए।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, you have been kind enough in your judgement to call a Member to speak on a subject about which he has given notice but your decision is being challenged in this manner by the ruling Party. How can Parliament function if no respect is shown to the Chair by the ruling Party?...(*Interruptions*) यह क्या बात है?

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGLY): Sir, their Leader is not in the House to control them....(*Interruptions*)

श्री शंकर प्रसाद जायसवाल (वाराणसी) : आप पहले पूरा बयान पढ़िए। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः योगी जी, आप जानते हैं कि आप लोगों ने कोई नोटिस नहीं दिया है। आप क्यों खड़े हैं? आपने इस विाय में नोटिस क्यों नहीं दिया है? आप भी

नोटिस दे सकते थे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः शिवाजी माने जी, आपने भी नोटिस नहीं दिया है।

...(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, मैं कैसे बोल सकता हूं, पहले इन लोगों को बैठाइये।

अध्यक्ष महोदय : मैंने आपको इज़ाजत दी है, आप बोलिये।

...(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, पहले मेरी बात सुननी होगी, उसके बाद ही ये लोग अपनी बात कह सकते हैं।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप अपनी बात पूरी क्यों नहीं करते, आप पूरी करिये।

श्री रामजीलाल सुमन : पहले आप इन्हें बैठाइये, उसके बाद ही मैं बोल सकता हूं।

अध्यक्ष महोदय : आपका स्टेटमेंट रिकॉर्ड पर जा रहा है। आप शान्ति से बोलिये।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन कर रहा था कि आज 21 तारीख को सुप्रीम कोर्ट में तारीख लगी हुई थी। अगर भारत सरकार के पास कोई प्रमाण हैं तो वह कोर्ट में पेश करे। कल प्रधान मंत्री जी ने हिमाचल प्रदेश की चुनाव सभा में कहा कि हमारे पास ऐसे ऐतिहासिक और पौराणिक दस्तावेज़ हैं जिससे साबित हो जायेगा कि अयोध्या में विवादित स्थल पर कभी मन्दिर था। बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के कनवीनर पूर्व सांसद सैयद शाहाबुद्दीन द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है जिसे स्वीकार कर लिया गया है । 22,23,24 फरवरी को धर्म संसद शुरु होने वाली है। सुप्रीम कोर्ट में आज 21 तारीख थी जिसमें 6 मार्च लगा दी गई है।

अध्यक्ष महोदय, देश में धर्मान्ध वातावरण बनाने के लिये यह कोशिश की जा रही है। गुजरात के चुनाव के समय प्रधान मंत्री जी ने कहा था कि हिन्दुत्व को चुनाव का मुद्दा नहीं बनाया जायेगा लेकिन गुजरात में हिन्दुत्व मुद्दा बनाया गया। चूंकि सरकार बेरोजगारी, महंगाई जैसे गम्भीर वियों को हल करने में असफल रही है, इसलिये पूरे देश में जानबूझकर विद्वेा की भावना पैदा करना चाहते हैं। देश के वातावरण को बिगाड़ना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि सरकार इस मामले की सफाई दे क्योंकि यह जानबूझकर दिया गया बयान है।

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, only on Monday, respected Rashtrapatiji, in his Address to the Joint Session of Parliament, stated that everyone of us should wait for the court's judgement. The problem of Ayodhya should be solved by mutual consultation or by a verdict of the court. The matter is still pending in the court. It has not given its final judgement. The court has not come to the conclusion as to whether there was any temple before the construction of Babri Masjid. How could the Prime Minister of India make such a statement in Himachal Pradesh in an election rally?...(*Interruptions*)

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराट्र) : अध्यक्ष महोदय, जब इस मामले पर चर्चा होने वाली है और बी.ए.सी. ने तय कर दिया है तो फिर यह चर्चा क्यों की जा रही है?

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री जी ने हिमाचल प्रदेश की चुनाव सभा में जो वक्तव्य दिया है, हम उस पर चर्चा कर रहे हैं।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: The Government will reply. You please sit down.

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, everyone of us should wait for the court's verdict. This has been said only to win the election in Himachal Pradesh by using the name of Lord Rama. The Prime Minister has stated that he has the document which could prove that there was a temple before the Babri Masjid was constructed. If he had such a document, why does he not submit it to the court to prove that there was a temple earlier? This would create communal tension in our country.

This is a very unfortunate statement made by the hon. Prime Minister of India. I demand that the Government should clarify, the Minister should clarify here as to why the Prime Minister had made such a statement when the matter is *sub judice.* Why did the hon. Prime Minister make such a statement when the court has not given its final verdict on the issue?...(*Interruptions*)

श्री शीशराम सिंह रवि (बिजनौर) : अध्यक्ष महोदय, मैं बिहार की वर्तमान स्थिति के बारे में बताना चाहता हूं। बिहार में किसानों की बहुत बुरी हालत हैâ€¦(व्यवधान) बिहार का विाय बहुत गंभीर है।â€¦(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, 98 प्रतिशत लोग इस पक्ष में नहीं हैं।

SHRI G.M. BANATWALLA (PONNANI): Sir, there is an attempt to influence the court...(*Interruptions*) Sir, the hon. Prime Minister is trying to influence the court...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : प्लीज आप बैठिये, मैं बोलना चाहता हूं।

Shri Banatwalla, I said and the Members agreed that when I am speaking, the Member has to sit down.

I had received notice of Adjournment Motion from two hon. Members, Shri Ramji Lal Suman and Shri Basudeb Acharia. On the issue of Ayodha there is going to be a discussion. A full-length discussion will take place on this issue in the House. In the meantime a statement has been made by the hon. Prime Minister and according to them this statement is not proper and therefore, they have raised the issue. I would like the Government to make its stand clear on the statement made by the hon. Prime Minister.

...(*Interruptions*)

श्री शिवराज सिंह चौहान (विदिशा) : सर, हमारे भी बहुत महत्वपूर्ण मामले हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : श्री सोमनाथ चटर्जी का नोटिस हैâ€¦ (व्यवधान)

श्री चन्द्रकांत खैरे : अयोध्या में राम मंदिर होना चाहिएâ€¦ (व्यवधान)

MR.SPEAKER: I am not going to open this issue once again because if the issue is opened, then the entire time of the `Zero Hour' would be taken up on this.

...(*Interruptions*)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I would not take more than one minute. I have given a notice also...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : इस देश में 98 प्रतिशत लोग धर्मनिरपेक्षता को मानते हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री अनंत गुढे (अमरावती) : अयोध्या का मुद्दा डिस्कशन के लिए बाद में आ रहा है, ये अभी क्यों बोल रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : जब आपका विाय आयेगा तब बोलिये।â€¦ (व्यवधान) Please sit down. Let me listen to the Deputy-Leader of the Congress Party.

...(*Interruptions*)

MR.SPEAKER: The Deputy-Leader of the Congress Party is to speak something not on this issue. Please sit down.

...(*Interruptions*)

SHRI SHIVRAJ V. PATIL (LATUR): Sir, you were very kind to fix a discussion on this issue on the 26th of this month. We would be happy to make our points then. But in the meanwhile a statement has been made by the hon. Prime Minister and that statement is quite divisive. It is going to harm the interest of the society and the country. If a statement of that nature is coming from him for the sake of garnering votes and attention, then it is not good for the Parliament and for the country. If the hon. Prime Minister is making a statement like that, then it appears that he is a party to the litigation that is in the court which is not in the interest of the country. That is why we have raised this issue to highlight it and not to discuss it at length. We briefly wanted to make the point that a statement of this nature coming from the hon. Prime Minister of our country is not in the interest of the society, is not in the interest of our country. It is going against the principle that we have been following up to this time of not discussing a matter which is under the Supreme Court. Today itself the Supreme Court was going to discuss this matter. The Supreme Court has adjourned the hearing of the case and has postponed the hearing. It should not have been so. That is the only thing which we wanted to highlight and nothing more.

श्री शिवराज सिंह चौहान : सर, इस पर पूरी डिबेट होगी तो हम लोगों के महत्वपूर्ण मामलों का क्या होगा।â€¦ (व्यवधान)

MR.SPEAKER: Since there are a number of important issues during the `Zero Hour', I would permit only Shri Somnath Chatterjee very briefly to make his point.

...(*Interruptions*)

श्री कीर्ति झा आज़ाद (दरभंगा) : ये क्या बात है कि हर बार यही लोग बोलने के लिए खड़े हो जाते हैं। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I totally agree with you. The convention in the House has been that whenever the Party leaders speak, we normally permit them to speak. If this convention is to be changed, I will have to apply my mind to it.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Mr. Speaker, I am thankful to you for this opportunity. We are concerned because a statement has come from the head of the Government. The Prime Minister, in a pending matter where

the very issue is before the court, has observed that he is confident that there was a temple where the Babri Mosque was. What else is to be decided by the court? Therefore, can anybody say such things? A humble mortal would have been hauled up before the court for contempt. The Prime Minister is trying to influence the decision of the court by his clearest assertion on the very merits of the dispute. ...(*Interruptions*)

Secondly, when the Prime Minister of India tries to utilise communal issues during an election speech, which is prohibited by the Representation of the People Act in this countryâ€¦ ...(*Interruptions*)

SHRI MOHAN RAWALE (MUMBAI SOUTH CENTRAL): You can go to the court.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : It is very easy to say 'go to the court'. The question is, should an election be decided on the communal lines? Now, it is very clear that the BJP and the ruling combination − I do not know who all are there in the NDA − have decided that the only card they can play to win an election is the Hindutva Card. They want to communalise the election. They have nothing to say. Therefore, we strongly oppose the deliberate attempt to utilise religion for the purpose of elections and condemn the action of the Prime Minister. ...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, आपने कहा था कि आप हमें बोलने का मौका देंगे। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने कहा है मैं आपको इस विाय पर बोलने की अनुमति दूंगा।

श्री शीशराम सिंह रवि : हमारा विाय बहुत महत्वपूर्ण है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग दो मिनट शांत रहें और इस विाय पर दो मिनट चर्चा होने दें तो अच्छा होगा।

...(व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY (MIRYALGUDA): Shri Atal Bihari Vajpayee is the Prime Minister of India. He is not just the leader of a Party. The Prime Minister of India should not speak on behalf of a litigating party. He spoke on behalf of one party in a pending dispute before the court.

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर) : आपकी रूलिंग देने के बाद भी ट्रेज़री बेन्चेज़ से ज्यादा हल्ला मचता है। â€¦ (व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY : We object to the statement made by the Prime Minister on a number of grounds. Firstly, Shri Vajpayee is the Prime Minister of India and not the leader of a Party. The Prime Minister of India cannot speak on behalf of one litigating party in a pending matter. He spoke on behalf of one party. It is absolutely improper and outrageously irregular. Secondly, he spoke in an election speech. As Shri Somnath Chatterjee has said, in our considered view he has violated the election code. I do not know what anybody can do if the Prime Minister of India is guilty of violation of the election code. We strictly disapprove of this communal approach by the Prime Minister. ...(*Interruptions*)

श्री मोहन रावले : मैं शिवसेना की तरफ से अपनी राय रखना चाहता हूँ। â€¦ (व्यवधान)

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : देवेन्द्र प्रसाद जी, आपकी सहयोगी पार्टी के सदस्य बोल रहे हैं। कृपया उन्हें सुनिए।

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हिमाचल की चुनाव सभा में प्रधान मंत्री जी द्वारा दिए गए भााण, जो अखबारों में छपे हैं, उन पर सदन में चर्चा चल रही है। देश का कोई भी व्यक्ति नहीं चाहता है कि देश के सद्भाव को समाप्त किया जाए, लेकिन आए दिन अयोध्या, मंदिर और मस्जिद की चर्चा कर के, हमको लगता है कि उधर के लोग इस देश में बराबर तनाव और विवाद पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं।

महोदय, यदि अखबार को पढ़ा गया, तो अखबार को पूर्ण रूप से पढ़ा जाना चाहिए था। अखबार में जहां पर उन्होंने कहा है कि हमको पौराणिक साक्ष्य प्राप्त हुए हैं, वहां प्रधान मंत्री का यह बयान भी अखबार में छपा हुआ है कि हम न्यायालय के निर्णय को मानेंगे।

मैं यह जानना चाहता हूं कि इसके बाद कौन सा विवाद सामने आता है ? उसके साथ ही मैं यह भी जानना चाहता हूं कि जितने भी हिन्दुओं के पौराणिक साक्ष्य और धर्म ग्रन्थ हैं, वे सब कहते हैं कि भागवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ। देश और दुनिया के लोग कहते हैं कि भगवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ था। मैं इन लोगों से जानना चाहता हूं कि भगवान राम का मंदिर अगर अयोध्या में नहीं बनेगा, तो क्या पाकिस्तान में बनेगा ? â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, ये लोग जानबूझकर देश में तनाव का वातावरण पेदा करना चाहते हैं। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि इन सब सवालों पर सदन में चर्चा नहीं होनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : मोहन रावले जी, कृपया एक सैंटेंस में आप अपनी बात कहिए। मैं आपको ज्यादा टाइम नहीं दूंगा। मैं इस विाय पर बोलने के लिए सभी को टाइम नहीं दे सकता हूं।

श्री मोहन रावले : अध्यक्ष महोदय, मैं आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी जी का अभिनन्दन करना चाहता हूं कि उन्होंने तथ्य के आधार पर कहा कि अयोध्या में राम मंदिर था। कांग्रेस के नेता और तत्कालीन प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी जी ने वहां से अयोध्या से राम मंदिर से अपना चुनाव प्रचार प्रारंभ किया था। उन्होंने अपने काल

में शिलान्यास की अनुमति दी थी। कांग्रेस के श्री चतुर्वेदी जी ने कुछ दिन पूर्व कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर बनना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, 26 फरवरी को हिमाचल प्रदेश में इलैक्शन है, मैं ऐसी कोई बात नहीं कहना चाहता हूं जिससे लोगों पर विपरीत प्रभाव पड़े। हम सब लोग राजनीति से जुड़े हुए हैं, लेकिन हमें हर चीज को राजनीति से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। हमारे आदरणीय नेता उद्धव ठाकरे जी ने भी कहा है कि अयोध्या के कारण दंगे हुए जिनमें बहुत लोगों की जान गई। अगर आप वहां मंगल पांडे का स्मारक बनाना चाहते हैं, तो हम लोग उसके लिए तैयार हैं ? हमारी भावनाएं हैं, हिन्दुओं की भावनाएं हैं, उनका आदर करना चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्लीज रावले जी बैठिए। श्री बनातवाला।

SHRI G.M. BANATWALLA : Sir, the Prime Minister has made objectionable statements. He has tried to influence the court. There are day-to-day hearings in the Lucknow Bench of the Allahabad High Court and evidences are being presented. At this point of time, the Prime Minister says that there are conclusive evidences in favour of *mandir* ...(*Interruptions*)

श्री मोहन रावले : अध्यक्ष महोदय, मौहम्मद पैगम्बर का जन्म मदीना में हुआ था, यीशु मसीह का जन्म बेथलेहम में हुआ था, महावीर का जन्म कुंडपुर में हुआ। उसी प्रकार भगवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ, इसमें कोई दो राय नहीं हैं। यह हमारी श्रद्धा का केन्द्र है। वहां राम का जन्म हुआ था। इसलिए वह हमारी आस्था का केन्द्र बना। दुनिया में ऐसी कौन सी मस्जिद है जहां अल्लाह के सिवाय किसी और की प्रार्थना की जाती हो। हिन्दुस्तान को स्वतंत्रता मिली तब देश में 86 प्रतिशत हिन्दुओं की संख्या थी, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि हमें हिन्दुस्तान में राम मंदिर के लिए लड़ाई लड़नी पड़ रही है। अयोध्या के राम मंदिर के लिए 1 लाख 79 हजार लोग अब तक अपनी कुरबानी दे चुके हैं। वहां 45 सालों में कभी नमाज अदा नहीं की गई।। वर्ा 1949 से वहां पूजा हो रही है। वहां कभी नमाज नहीं पढ़ी गई। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्लीज बैठिए। रावले जी समाप्त करिए। किसी भी माननीय सदस्य का अब कोई भााण रिकॉर्ड नहीं किया जाएगा। मंत्री महोदया जो बोलेंगी, केवल वही रिकॉर्ड पर जाएगा।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुामा स्वराज) : अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहती हूं कि â€¦ (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात केवल एक मिनट में समाप्त कर दूंगा। कृपया मुझे अपनी बात कहने का समय दीजिए। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सुामा जी, जरा यादव जी की बात सुन लेते हैं।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, संसद संपूर्ण देश की सर्वोच्च पंचायत है और देश के दो प्रतिशत सिरफिरे तथा कट्टरपंथी लोगों की बातों के ऊपर रोज-रोज संसद में चर्चा की जाती है और इन कट्टरपंथी लोगों द्वारा तथाकथित धर्म-संसद बुलाकर देश के 98 प्रतिशत लोगों की भावनाओं को रोज कुचला जा रहा है। क्या इस संसद का कोई महत्व नहीं है, यह हम जानना चाहते हैं ? इस देश के 100 करोड़ लोगों का रिप्रजेंट करने वाली इस संसद को धर्म-संसद की जरूरत नहीं है। मामला न्यायालय में लम्बित है, सर्वोच्च न्यायालय में मामला लम्बित है।

अध्यक्ष महोदय : कृपा कर आप बैठ जाइए।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : देवेन्द्र जी, आप जो कुछ भी बोलेंगे वह रिकार्ड पर नहीं जाएगा। मंत्री जी जो बोलेंगी केवल वही रिकार्ड पर जाएगा। कृपा कर आप बैठ जाइए।

...(व्यवधान)... *

अध्यक्ष महोदय : कृपया, आप बैठ जाइए, मैंने आपको इजाजत नहीं दी है।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपया ,आप बैठ जाइए, मंत्री जी खड़ी हैं।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप क्या कर रहे हैं, मैंने कहा कि आपका कुछ भी रिकार्ड पर नहीं जा रहा है। आप कुछ भी बोलेंगे, वह रिकार्ड पर नहीं जाएगा। इसलिए कृपया, आप बैठ जाइए।

...(व्यवधान)... *

MR. SPEAKER: I am not taking that on record.

*(Interruptions) â€¦**

* Not Recorded

अध्यक्ष महोदय : सुाामा जी, आप शुरू करिए।

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please listen to the Minister.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is not the way to behave.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Why are you doing this?

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आपने दो मिनट बोलने के लिए कहा, मैंने कहा कि ठीक है। आप पांच-पांच मिनट बोलते रहेंगे। मैं माफी चाहता हूं यह अच्छी बात नहीं है। मैं एक या दो मिनट समझ सकता हूं, इस विाय पर चर्चा होने वाली है, जब चर्चा होगी तो उस समय आप अपनी भूमिका रखिए। आपको कौन मना कर रहा है।

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Now, we have to let the Minister speak now.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please let the Minister speak now.

â€¦ (व्यवधान)

श्री चन्द्रकांत खैरे : महोदय, ये इस तरह से बोलेंगे तो हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

अध्यक्ष महोदय : हाउस का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। खैरे जी, आप बैठिए, मंत्री जी उत्तर दे रही हैं।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : योगी जी, आप कोआपरेट करिए, मंत्री जी उत्तर दे रही हैं।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : योगी जी, आप जो कुछ कहेंगे वह रिकार्ड पर नहीं जाएगा।

...(व्यवधान)... *

*** Not Recorded**

श्रीमती सुामा स्वराज : अध्यक्ष महोदय, समाचार-पत्रों की जिन रिपोर्टों के आधार पर माननीय सुमन जी और आचार्य जी ने प्रश्न उठाया है, मैं उन्हें बताना चाहती हूं कि उसे मैंने पढ़ा है और आपने भी जरूर पढ़ा होगा। प्रधान मंत्री जी का बहुत केटेगोरिक स्टेटमेंट, बहुत स्पट शब्दों से यह कहा जाना कि हम अदालत के फैसले को स्वीकार करेंगे, उसके बाद मैंने स्वयं प्रधानमंत्री जी से बात की थी।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please keep quiet now.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please keep silence now.

श्रीमती सुामा स्वराज : कामरेड आचार्य, प्रधानमंत्री जी केवल बोले ही नहीं हैं, समाचार-पत्रों में छपा भी है। मैं यहां अखबार नहीं लाई हूं, आप एक-एक अखबार उठा कर देख लीजिए। समाचार-पत्रों के शीर्क हम तय नहीं करते कि उसमें क्या लिखा है। प्रधानमंत्री जी ने जो बोला है, उसके एक-एक शब्द की जिम्मेदारी मैं लेती हूं। मैंने स्वयं प्रधानमंत्री जी से बात की है, उन्होंने बहुत स्पटता से यह बात कही कि हम कोर्ट का फैसला स्वीकार करेंगे।â€¦ (व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : कोर्ट का फैसला सब को मानना पड़ेगा।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Let me listen to the statement of the hon. Minister.

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप क्या कर रहे हैं, आप ऐसे कैसे कर सकते हैं। कृपा कर आप बैठ जाइए। मंत्री जी स्टेटमेंट दे रही हैं, आपको सुनना पड़ेगा। यदि उनका स्टेटमेंट आपको मान्य नहीं है तो आप चर्चा के समय बोल सकते हैं।

â€¦ (व्यवधान)

श्रीमती सुामा स्वराज : अध्यक्ष जी, भरी चुनावी सभा में यह कहना कि मंदिर निर्माण के पक्ष में साक्ष्य मजबूत होने के बावजूद हम अदालत का फैसला स्वीकार

करेंगे, इससे ज्यादा कदम और देश को आश्वस्त करने वाला दूसरा बयान नहीं हो सकता।â€¦ (व्यवधान) इस तरह का बयान साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काने वाला है या साम्प्रदायिक भावनाओं को शांत करने वाला है, इससे ज्यादा कदम और देश को आश्वस्त करने वाला दूसरा बयान नहीं हो सकता। भरी चुनावी सभा में प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि हम कोर्ट का फैसला स्वीकार करेंगे।